सक्षम हरियाणा

CCT Science Referance Material (C

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

म्हारा हरियाणा हरियाणा + सक्षम ,

CRITICAL AND CREATIVE THINKING PRACTICE MATERIAL

SCIENCE

Class – 8

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरुग्राम

SCERT HARYANA GURUGRAM

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING HARYANA, GURUGRAM

तालिका

पाठ संख्या	पाठ का नाम	प्रष्ठ संख्या
7	**पौधों और जंतुओं का संरक्षण**	2 - 10

पाठ 7: पौधों और जंतुओं का संरक्षण

1 आक्रामक प्रजातियां

Amar Ujala News (Delhi), CNBC News (U.S.A.)

लखनऊ। पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है विदेशी थाई मांगुर पालने वाले मछली पालकों पर अब कार्रवाई हो सकती है। एनजीटी (राष्ट्रीय हरित क्रांति न्यायाधिकरण) ने 22 जनवरी को इस संबंध में निर्देश भी जारी किए है, जिसमें यह कहा गया हैं कि मत्स्य विभाग के अधिकारी टीम बनाकर निरीक्षण करें और जहां भी इस मछली का पालन हो रहा है उसको नष्ट कराया जाए। निर्देश में यह भी कहा गया हैं कि मछलियों और मत्स्य बीज को नष्ट करने में खर्च होने वाली धनराशि उस व्यक्ति से ली जाए जो इस मछली को पाल रहा हो।

https://www.gaonconnection.com/krishi-vyapar/ngt-bans-magur-fish-in-the-market-environment--43550

अमेरिकी कृषि विभाग अमेरिकियों को चेतावनी दे रहा है कि वे चीन से आने वाले बीजों के अवांछित पैकेज न लगाए। वाशिंगटन से वर्जीनिया तक फैलने वाले राज्यों ने निवासियों से कहा है कि वे बीज को जमीन में न डालें, क्योंकि वे उन लोगों के मेल बॉक्स में पहुंचे जिन्होंने उन्हें ऑर्डर नहीं दिया था। अधिकारियों ने कहा कि बीज आक्रामक प्रजातियों को विकसित कर सकते हैं जो फसलों या पशुधन को खतरा देते हैं।

यूएसडीए ने कहा कि मंगलवार को यह बीज एकत्र कर रहा था और यह निर्धारित करने के लिए कि क्या वे कृषि या पर्यावरण के लिए चिंता का विषय हैं, का परीक्षण करेंगे । एक बयान के अनुसार, पैकेजों की जांच के लिए एजेंसी राज्यों और होमलैंड सिक्योरिटी के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग के साथ काम कर रही है

प्रश्न 1: उपरोक्त समाचारों को पढ़िए और बताइए की समाचार किस समस्या की ओर इशारा करते हैं?

प्रश्न 2: स्थानीय जीव जंतुओं की प्रजातियों का संरक्षण क्यों आवश्यक है?

प्रश्न 3: मांगुर मछली कैसे अन्य जीवो के लिए एक खतरा है?

प्रश्न 4: अपनी चारों और दैनिक जीवन में इसी प्रकार की समस्या का उदाहरण दीजिए?

प्रश्न 5: क्या आप किसी ऐसे पौधे का नाम जानते हैं जो स्थानीय पौधों का दुश्मन है?

उत्तर कुंजी

उत्तर 1: उपरोक्त समाचार स्थानीय जीव जंतुओं को पादपों की जाति संरक्षण की समस्या की ओर इशारा करते हैं।

उत्तर 2: स्थानीय जीव जंतुओं की प्रजातियों का संरक्षण इसलिए आवश्यक है क्योंकि हमारी प्रकृति का संतुलन प्रजातियों के विभिन्नता पर निर्भर करता है यदि केवल एक ही तरह की प्रजातियां आक्रामक प्रजातियां बन कर सभी जीव जंतुओं और पौधों का नाशकर देंगी तो प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा अंततः पृथ्वी से जीवन समाप्त होने का खतरा है।

उत्तर 3: मांगुर मछली जिस तालाब में डाली जाती है वह उस तालाब के सभी अन्य जीव-जंतुओं को खा जाती है और अत्यंत शीघ्र दैत्यआकार प्राप्त कर लेती है इसीलिए यदि यह मछली किसी नदी अथवा उन्मुख स्त्रोत में चली जाए तो वहां के जन जीवन वनस्पति के लिए खतरा उत्पन्नकर देती है।

उत्तर 4: भारतीय देसी गाय वह देसी कुत्ता लुप्त प्राय से हो गए हैं लोग विदेशी कुत्ता व अमेरिकन गाय पालना पसंद करते हैं।

उत्तर 5: काँग्रेस ग्रास (पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस) चरागाह प्रणालियों का एक गंभीर आक्रामक खरपतवार है।

सामर्थीय चौधरी (पी. जी. टी. भौतिक विज्ञान)

रा. व. मा. विधालय बलदेव नगर

अंबाला -1 (अंबाला)

2 जैव विविधता: जैव विविधता पर्यावरण के प्रबंधन की कुंजी है। एक पारिस्थितिकी तंत्र जो एक उच्च जैव विविधता को बरकरार रखता है (यानी, विभिन्न प्रकार की जीवित चीजें) मानव-कारण पर्यावरण परिवर्तन के अनुकूल होने की अधिक संभावना है, जो कम है। सदियों से शिकार और अतिक्रमण जैसी मानवीय गतिविधियों के कारण वनों का क्षरण हुआ है और पौधों और जानवरों की कई प्रजातियों का विलुप्त होना पड़ा है । भारत सरकार ने वनों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं। लेकिन यह आंदोलन हम सभी की भागीदारी के बिना सफल नहीं होगा ।

प्रश्न 1: वनों और वन्यजीवों से कौन से उत्पाद प्राप्त किए जाते हैं?

प्रश्न 2: हम वन और वन्यजीवों के संरक्षण में कैसे मदद कर सकते हैं?

प्रश्न 3: क्या आप किसी ऐसे संगठन का नाम ले सकते हैं जो पशुओं की हत्या या शिकार के खिलाफ काम कर रहा है?

प्रश्न 4: प्रकृति के प्रति यहां मानव के किन मूल्यों को दर्शाया गया है?

प्रश्न 5: वन्यजीवों के लिए आरक्षित क्षेत्रों का नाम जहां वे आवासों और राष्ट्रीय संसाधनों का स्वतंत्र रूप से उपयोग कर सकते हैं ।

(क) राष्ट्रीय उद्यान (ख) अभयारण्य (ग) महासागर (घ) होम्स

उत्तर कुंजी

उत्तर 1: जंगलों से: आग के लिए लकड़ी, लकड़ी, फर्नीचर, दवाएं, पशुधन के लिए चारा, मसूड़ों, किशमिश, कागजात आदि। वन्यजीव से: सींग, त्वचा, चमड़ा, फर, हाथीदांत, मांस, फिन, आदि

उत्तर 2: पशु उत्पादों के लिए ' नहीं ' कहकर हम कम से उनके शिकार और शिकार को कम कर सकते हैं ।

पेड़ों को न काटकर और अधिक पौधे लगाने से हम वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास को बहाल करने में मदद कर सकते हैं।

वनों और वन्यजीवों के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करके।

उत्तर 3: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ), इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर (आईएफएडब्ल्यू), वर्ल्ड सोसायटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ एनिमल्स (डब्ल्यूएसपीए), आदि

उत्तर 4: वे क्रूर, धन-विचारधारा वाले, स्वार्थी, लापरवाह आदि हैं ।

उत्तर 5: (क) राष्ट्रीय उद्यान

रमेश गोयल (पी. जी. टी. रासायन विज्ञान)
डाइट मोहड़ा
अंबाला -1 (अंबाला)

3. अभ्यारण्य: राष्ट्रीय उद्यान को वन्यजीव के संरक्षण के लिए बनाया जाता है। इसमें जानवरों को रखा जाता है और पर्यटकों को आने की अनुमति दी जाती है। ये पूरी तरह से सरकार के द्वारा चलाया जाता है इसमें किसी भी व्यक्ति की कोई व्यक्तिगत भागीदारी नहीं होती है। जबकि अभ्यारण्य शब्द की उत्पत्ति अरण्य से हुई है + अभय - जिसमे दो शब्द उपयोग किये गए हैं अभ्य जिसका मतलब होता है जहां जानवर घूम सके और अरण्य का मतलब न ही अभ्यारण्य कहा जाता है। जो कि एक तो हम कह सकते हैं कि वन में जानवरों के घूमने का स्था .वन होता है प्रकार का सरकार और अन्य किसी संस्था द्वारा संरक्षित वन, पशुविहार या पक्षी विहार होता है उसे हम - जंतु-वन्यजीव अभ्यारण्य कहते हैं। इसे बनाने का मुख्य उद्देश्य जीव, पक्षी या फिर वन संपदा को संरक्षित करना होता है। टाईगर जिसे हम बाघ भी कहते हैं एक बहुत ही सुंदर दिखने वाला जीव है । यह भारत का राष्ट्रीय पशु है साथ ही साथ विश्व के कुल %80टाईगर भारत में ही पाये जाते हैं। परंतु क्या आपको पता है की एक समय ऐसा भी था जब बाघों की प्रजाति विलुप्त होने की कगार पर आ गयी थी। टाईगर ही 1411 भारत में सिर्फ में 2006 शेष बचे थे । इसके बाद भारत सरकार ने प्रोजेक्ट टाईगर मुहिम चलाकर बाघों को संरक्षित करने का काम किया । हो गयी है । 2967 प्रोजेक्ट टाईगर रिपोर्ट के मुताबिक अब भारत में बाघों की संख्या

प्रश्न 1: बाघ एक हिंसक पशु है फिर भी सरकार इसकी सुरक्षा के लिए योजनाएं बना रही है । यह कार्य क्यों आवश्यक है ?

प्रश्न 2: बाघ की तरह ही एक और निम्न चित्र में दिखाई गयी लुप्तप्राय प्रजाति भारत के पूर्वी इलाके में पाई जाती है। उसकी पहचान कीजिए और उसकी सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले उपायों का विवरण दीजिए ।

प्रश्न 3: निकोबार जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर स्थित है । यहां बहुत से वनस्पतिजात व प्राणीजात संरक्षण प्राप्त करते हैं। यह आरक्षित क्षेत्र कुछ जनजातियों को भी संरक्षित करता है। आपके विचार में जनजातियों को आरक्षित क्षेत्र देना क्यों आवश्यक है ?

प्रश्न :4क्या वनस्पति जात को बचाने के लिए भी आरक्षित क्षेत्र बनाए जाते हैं ? अपने विचार लिखिए ।

प्रश्न :5सही मिलान करो :

दिए गए अभ्यारण्य किस का संरक्षण करते हैं -

कॉलम A	कॉलम B
राष्ट्रीय चंबल वन्य जीव अभ्यारण्य	पक्षी
केवला देव राष्ट्रीय उद्यान	आदिमानव के शैलाक्षय व चित्र
गिर वन्य जीव अभ्यारण	असम
मुकुंदरा हिल्स नेशनल पार्क	बब्बर शेर
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	घड़ियाल

राज्यवार बाघों की संख्या

राज्य	गणना 2006	गणना 2010	गणना 2014
कर्नाटक	290	300	406
मध्य प्रदेश	300	257	308
उत्तराखंड	178	227	340
राजस्थान	32	36	45
तमिलनाडु	6	163	229
महाराष्ट्र	103	169	190
केरल	46	71	136
उत्तर प्रदेश	109	118	117
छत्तीसगढ़	26	26	46
झारखंड	-	10	3+
सुंदरबन	-	70	76

(उत्तरी बंगाल को छोड़कर)

प्रश्न :6निम्न सारणी को देखते हुए निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

i) आंकड़ो को आधार बनाते हुए वन्य संरक्षण संबन्धित प्रयासों पर टिप्पणी कीजिये ।

ii) राज्यवार के आंकड़ों से ग्राफ का निर्माण कीजिये । 2014

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

डॉ अनीता राजपाल (प्राध्यापक रासायन विज्ञान)

डाईट मात्रश्याम

ब्लॉक बास (हिसार)

4. भारत में चीते

क्या आप जानते है भारत में चीतों की कितनी संख्या है? 10, 20, 100 या 1000? जी नहीं...10 भी नहीं। बल्कि सरकारी विभाग की मानें तो भारत से चीता पूरी तरह विलुप्त हो चुका है। एक पेय पदार्थ की एड में जब ते हैं तब कभी यह देख "चीता भी पीता है" ख्याल नहीं आया कि जिस चीते की ये बात कर रहे हैं वो भारत में है ही नहीं। एक भी ये रौंगटे खड़े कर देने वाली कड़वी सच्चाई है !!नहीं

किसी पारिस्थितिक प्रणाली)Ecological System) में पायी जाने वाली जैव विविधता से उसके स्वास्थ्य का अंदाज़ा लगाया जा सकता है । जितनी स्वस्थ जैव विविधता)Bio - Diversity) होगी उतना ही स्वस्थ इकोलोजिकल सिस्टम भी होगा। लेकिन चोरी छुपे शिकार और प्राकृतिक पर्यावास के छिनने से जानवरों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है।

निम्न चित्रों में दिखाये गए पशु चीते की तरह विलुप्त होने की कगार पर हैं।

बाघ

एशियाई शेर

कालीगर्दनवाला सारस

दलदली क्षेत्र का हिरण

पश्चिमी ट्रेगोपैन

एक सींगवाला एशियाईगैंडा

गिद्ध

हिम तेंदुआ

लाल पांडा

सुनहरा लंगूर

भारतीय हाथी

ऑलिव रिडले कछुआ

प्रश्न :1 संरक्षित वन भी जंगली जानवरों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हैं । क्यों ? टिप्पणी कीजिये ।

प्रश्न 2: चित्रों में दिखाये गए किन्हीं पाँच पशुओं के विलुप्त होने के कारणों पर अपने विचार लिखिए ?

प्रश्न :3 उत्तराखंड में वन संरक्षण के लिए किस आंदोलन की शुरुआत हुई थी और उस उसके क्या कारण थे? ?आंदोलन की वजह से क्या अधिनियम अस्तित् मेंआया

प्रश्न :4 वन उन्मूलन की मुख्य वजह है लकड़ी की जन जीवन के लिए ज़रूरत । क्या हैं वो जरूरतें और उन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्ष काटने के अलावा आप क्या सुझाव दे सकते हैं ?

प्र :5निम्न चित्र में टाईगर रिजर्व को भारत के नक्शे पर दिखाया गया है । क्या आप ऊपर दिखाये गए में से किसी एक पशु पर हो रहे प्रयासों को चित्रांकित कर सकते हैं ?

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

डॉ अनीता राजपाल (प्राध्यापक रासायन विज्ञान)
डाईट मात्रश्याम
ब्लॉक बास (हिसार)

5 वन्य जीव जंतुओं का संरक्षण

सीमा आठवीं कक्षा की छात्रा है ।आज उनके विज्ञान के दुबे सर किसी कारणवश विद्यालय नहीं आए। इसलिए सभी बच्चे विज्ञान के क्लास में आपस में बातें कर रहे हैं ।सीमा कहती है कि कल रविवार है, हम सभी को पिकनिक पर चलना चाहिए। तब दीपक कहता है हां हमें हमारे शहर से थोड़ी दूर जो घना वन है वहां पर पिकनिक के लिए चलना चाहिए। वहां पर बहुत लंबे लंबे छायादार वृक्ष है वहां का वातावरण बहुत ही खुशनुमा और सुहावना होता है ।तभी संदीप बोला हां थोड़े दिन पहले मेरे दादाजी भी उस वन के बारे में बता रहे थे ।दादा जी ने बताया कि हमारे समय में उस वन में तरह-तरह के वन्य प्राणी होते थे ।लेकिन मनुष्य की अनावश्यक गतिविधियों के कारण उस वन से लगातार वन्य प्राणी खत्म होते गए ।जहां अब कुछ वृक्ष मात्र ही बचे हैं ।तब सभी बच्चे मनुष्य की और अनावश्यक गतिविधियों के बारे में चर्चा करने लगे ,जिसके कारण वन से वन्य प्राणी खत्म होते गए और इस बारे में सोचने लगे कि किस प्रकार हम अपने रोजमर्रा के कार्य करें जिससे वन्य प्राणियों पर कोई खतरा ना आए ।

उपरोक्त पैराग्राफ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

प्रश्न 1: संरक्षण से आप क्या समझते हैं। दैनिक जीवन में आप बहुत सारी चीजों/वस्तुओं के संरक्षण के बारे में समाचार पत्रों टेलीविजन के माध्यम से सुनते रहते हैं ऐसी 4 चीजों/वस्तुओं के नाम बताइए।

प्रश्न 2: मान लीजिए एक हरा भरा वन है उसमें हर प्रकार के वन्य जीव जंतु है अगर उस वन से सभी शेर और बाघों को खत्म कर दिया जाए तो कुछ समय पश्चात उस वन का क्या होगा।

प्रश्न 3: क्या आप ऐसे कुछ सुझाव दे सकते हैं जिससे हम वन्य जीव जंतुओं के संरक्षण में सहयोग दे सकते हैं।

प्रश्न 4: वन्य जीव जंतुओं के संरक्षण के लिए निम्न में से कौन ज्यादा सहयोग कर सकता है?

(क) जंगलों पर निर्भर रहने वाले लोग (ख) जंगलों में मनोरंजन के लिए घूमने वाले लोग

(ग) वन विभाग के कर्मचारी (घ) जंगलों पर आधारित उद्योग चलाने वाले लोग

उत्तर कुंजी

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

विक्रम गोयल (पी. जी. टी. भौतिक विज्ञान)

रा. क. व. मा. विधालय पाबरा

उकलाना (हिसार)

6 पौधों और जंतुओं का संरक्षण

भारत के वन पुरुष कहे जाने वाले पद्मश्री से सम्मानितमें एक बंजर टापू पर 1979 असम के जादव पायेंग ने, पौधे लगाने शुरूकिये। पिछले एक पौधा एक दिन अपने पारम्परिक तरीकों से लगाते रहे। अपने गाँव से ,वर्षों से 30 केंचुएं और दीमक भूमि की उर्वरकता बढ़ाते। बम्बू के , लाल चींटियां, लाल चींटियां लाकर बंजर ज़मीन में छोड़ते। हेक्टेयर के क्षेत्रफल में 1000 पौधों से शुरू हुई उनकी यह लग्न आज अर्जुन टीक और बम्बू सहित नाना प्रकार के , जिसे मुलाई ,पेड़ों से हराभरा और वन्य प्राणियों की विविधता वाला संसार का अकेला मानव निर्मित जंगल है .काठोनी या मुलाई का वन कहा जाता है

पायेंग की इस पर्यावरणीय विरासत को मिशिंग जनजाति ने बख़ूबी संभाला।लगभग 600 मिशिंग परिवार इस वन के किनारों पर बिना किसी बुनयादी सुखसुविधाओं के,7 समूहों में रहते हैं। यह जनजाति बम्बू से निर्मित ऊँची उठी झोपड़ियों में रहते हैं। यह वन अनेकों प्रवासी पक्षियों का आतिथ्य भी करता है ,यहाँ पड़ोस के काज़ीरंगा वन्यप्राणी अभ्यारण से रॉयल बंगाल टाइगर भी आते रहते हैं। पायेंग ने गहरी नहर भी टापू के 13 .2 मीटर लम्बी और 50 पास से गुजरती प्रबल ब्रह्मपुत्र नदी में से वन में पहुंचाई है।

वर्तमान में भीषण बाढ़ की त्रासदी झेल रहा असम प्रदेश ,अकसर ब्रह्मपुत्र नदी के इस प्रचंड रूप की मार झेलता रहता है। ऐसे में अकसर अनेकों वन्यप्राणी मुलाई काठोनी पर शरण ले लेते हैं। जादव पायेंग, बाढ़ के खतरे से अपने इस वन को बचाने के लिए चिंतित रहते हैं क्यूंकि तेज पानी के कटाव से मृदा अपरदन तो होगा ही साथ ही वन का अस्तित्व भी लुप्त हो सकता है

प्रश्न 1: जादव पायेंग को क्या उपाधि दी गयी है और वे किस पुरस्कार से सम्मानित हैं ?

प्रश्न 2: संसार में कितने मानव निर्मित वन हैं ?

प्रश्न 3: लाल चीटियों,केंचुओं और दीमक ने भूमि की उर्वरता कैसे बढ़ाई होगी ?

प्रश्न 4: मिशिंग जनजाति जंगल में बिना आधुनिक सुख सुविधाओं के कैसे जीवन यापन करती होगी?

प्रश्न 5: बाढ़ की स्थिति में कौनसे इलाके से जंगली जानवर इस वन में आश्रय लेते हैं और क्यों ?

प्रश्न 6: चित्र में मिशिंग जनजाति का घर देख कर बताइये इनका ऊंचाई पर होना क्यों आवश्यक है?

प्रश्न 7: इस वन को बाढ़ के संभावित खतरे से बचाने के उपाय सुझाइये।

उत्तर कुंजी

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

मधु चौहान (प्राध्यापक रासायन विज्ञान)

डाईट हुसैनपुर (रेवाड़ी)

7 वन बचाओ धरती बचाओ

पौधो की लगातार कटाई के कारण बढती पर्यावरणीय समस्या को देखते हुए लोगो में जागरूकता फैलाने के लिए सोसाइटी में एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी का विषय था "वन बचाओ धरती बचाओ " इस प्रदर्शनी के एक सहभागी पवन द्वारा बताया गया -वन हमारा जीवन है,समय के साथ देखा जा रहा है कि वनो का क्षेत्रफ़ल लगातार घटता जा रहा है। आज अन्धाधुंध वनो की कटाई की जा रही है जिससे पर्यावरण प्रदूषण,वैश्विक ऊष्मीकरण,सूखा,बाढ़,भूमि की उर्वरता का नष्ट होना आदि समस्याए उत्पन्न हो रही है। वनो की सुरक्षा के लिए क्या क्या कदम उठाए जा रहे है ?हम कैसे इनका संरक्षण कर सकते है ?वनो की सुरक्षा के लिए जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र व राष्ट्रीय उद्यान बनाए गए है। हम भी कागज का पुनःचक्रण करके,पुनर्वनरोपण करके,लोगो को जागरूक करके इसमें सहयोगिता दिखा सकते है। अगर हम सब वनो को संरक्षित करने के लिए एक साथ काम करेंगे तो बहुत सारी पर्यावरणीय समस्याएँ तो समाप्त होंगी ही ,साथ ही हमारा जीवन भी बेहतर होगा।

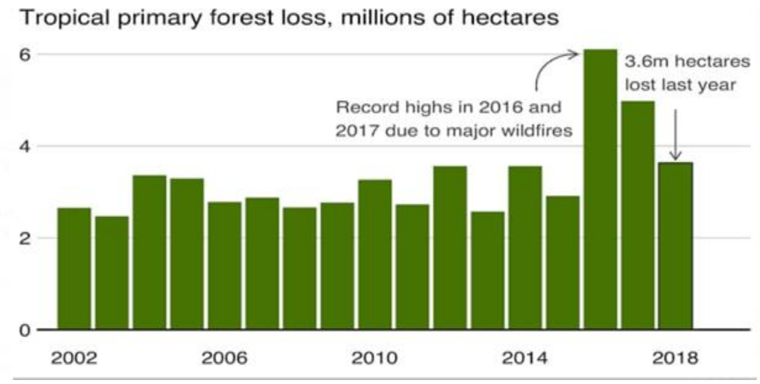

भारत में वनो की कटाई

प्रश्न 1. वनों की कटाई वैश्विक ऊष्मीकरण को बढ़ावा देती है, कैसे?

प्रश्न 2. अगर कोई प्रजाति विलुप्त हो जाती है तो इससे क्या फर्क पड़ता है? उदारहण सहित बताए।

प्रश्न 3. एक जंगल में एक नई प्रजाति X आई, यह उस क्षेत्र की स्थानीय प्रजातियों को कैसे प्रभावित कर सकता है?

प्रश्न 4. यदि मिट्टी की ऊपरी परत उजागर हो जाए तो क्या होगा?

प्रश्न 5. क्या यह उचित है कि जनजातियों को जंगल के मुख्य क्षेत्र में रहने से रोका जाए?

प्रश्न 6. किस सन में वनो का नुकसान सबसे ज्यादा पाया गया ?

प्रश्न 7. 2018 में वनो का कितने हेक्टेयर क्षेत्र नष्ट हो गया ?

प्रश्न 8. 2016 से 2018 तक जाने पर वनो का नुकसान घट रहा है, आपके अनुसार इसका अहम कारण क्या हो सकता है ?

प्रश्न 9. वनो के नुकसान का सन 2014 व 2018 का अंतर बताइए ?

प्रश्न 10. सन 2016 में वनो का नुकसान सबसे ज्यादा हुआ ,क्यों?

वनो की कटाई	2006	2012	2014	2016	2017	2018
	3 million of hectare	3.5 million of hectare	3.5 million of hectare	6 million of hectare	5 million of hectare	3.6 million of hectare

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

ईशा (पी. जी. टी. जीव विज्ञान)
रा. व. मा. विधालय भाकली
(रेवाड़ी)

8 पर्यावरण और हम

विद्यालय में पौधागिरी कायक्रम चलाया जा रहा था सभी बच्चे विद्यालय प्रांगन में पौधे लगा रहे थे और आपस में वार्तालाप कर रहे थे

रोहित: बहुत सारे जीव जंतु पौधों पर ही निर्भर रहते हैं .लेकिन हम अपनी सुख सुविधाओं के लये लगातार इनको काट रहें हैं .

मोहित: इससे हमारे पर्यावरण में ऑक्सीजन की लगातार कमी हो रही है और $_2$CO का स्तर लगातार बढ़ रहा है

सोनू: लगातार पौधे काटने से हमारी भूमि भी बंजर होती जा रही है R5तकनीक से हम पौधों और पर्यावरण को बचा सकते हैं .

मोनू : ज्यादा वन काटने से इनमे रहने वाले जीव जंतु बेघर हो गए है और फिर ये हमारी बस्तियों पर हमला करते है और कुछ प्रजाति तो विलुप्त हो गयी हैं और कुछ विलुप्त होने के कगार पर हैं .

ऊपर दी गयी जानकारी के अनुसार निम्न प्रश्नों के उत्तर दो

प्रश्न 1 : क्या वन प्राकृतिक कारण से भी कम हो रहे हैं यदि हाँ तो कारण बताओ

प्रश्न 2 : वन्य जीवों का शिकार क्यों करते हैं ?कारण लिखो

प्रश्न 3 : "लगातार पौधे काटने से हमारी भूमि भी बंजर होती जा रही है "कारण बताये। .

प्रश्न 4 : किसी प्रजाति के विलुप्त होने का पारिस्थितिक तंत्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?

प्रश्न 5 : CO_2 का स्तर लगातार बढ़ रहा है "क्यों ?

प्रश्न 6: पर्यावरण पर पड़ने वाले उन कुछ हानिकारक प्रभावों की व्याख्या कीजिए जो कृषि की विभिन्न पद्धतियों के कारण होते हैं।

उत्तर कुंजी

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

शशांक (पी. जी. टी. जीव विज्ञान)
रा. क. व. मा. विधालय आहुलाना
कथुरा (सोनीपत)

9 घड़ियालों का संरक्षण

1979 में चंबल नदी को चंबल सेंक्चुरी घोषित करने के बाद यहाँ संकटग्रस्त घड़ियालों की संख्या 1876 हो चुकी है| इस हैंचिंग के बाद चंबल सेंक्चुरी की बाह रेंज में 1202 और इटावा रेंज में 4141 घड़ियाल शिशुओं का जन्म हुआ है| अब 5343 नन्हे मेहमान चंबल नदी में अठखेलिया कर रहे है| हालांकि उनकी जीवित रहने की दर 10 से 15 फीसदी ही होती है| पहले घड़ियाल की नेस्टिंग के बाद अंडे हैंचिंग के लिए पहले लखनऊ ले जाए जाते थे| परन्तु अब प्राकृतिक हैंचिंग शुरू की गई है| इसलिए नेस्टिंग ,हैंचिंग दोनों चंबल में होने से इनकी वंश वृद्धि हुई है|

उपरोक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

प्रश्न 1: विश्व में घड़ियालों की सबसे बड़ी जनसँख्या कहाँ है?

(क) भारत (ख) अमेरिका

(ग) ब्रिटेन (घ) रूस

प्रश्न 2: घड़ियालों की जनसँख्या में वृद्धि क्यों हुई है ?

प्रश्न 3: कोरोना महामारी के समय में संकटापन्न वन्य जीवों की सँख्या में वृद्धि हुई है, कारण बताएं?

(क) लॉकडाउन में मनुष्यों की गतिविधियाँ बढ़ी है |

(ख) लॉकडाउन में मनुष्यों के काम हस्तक्षेप की वजह से |

(ग) वन्य जीवों को भी कोरोना का खतरा था |

(घ) लॉकडाउन में संकटापन्न वन्य जीव संरक्षित क्षेत्रों से बाहर चले गए |

प्रश्न 4: चंबल नदी में रहने वाले घड़ियाल किस क्षेत्र में आते है ?

(क) राष्ट्रिय उद्यान (ख) वन्यजीव अभ्यारण्य

(ग) जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र (घ) मरुस्थल

उत्तर कुंजी

उपरोक्त प्रश्नो के उत्तर छात्र अपने विवेक से स्वयं दें।

कीर्ति (बी. आर. पी. जन्तु विज्ञान)

ब्लॉक राई (सोनीपत)